Theory Paper

Part A Introduction			
Program: Honours | Research	Class`:BA IV	Year:2021	Session:2024-25
Subject: History			
1	Course Code	A4-HIST-2D	
2	Course Title	Religion and Philosophy	
3	Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/.....)	Discipline Specific Elective (DSE TH II)	
4	Pre-requisite (if any)	To study this course, a student must had this subject in Degree.	
5	Course Learning outcomes (CLO)	After studying this paper, the students will: • get the knowledge ofthephilosophyofancientIndia. • getknowledge of Indus civilization religion andVedicreligion. • be able to studyBuddhismandJainism. • get the knowledgeofShaivismandShaktaDharmaandVaishnavism. • be ableto know thediversephilosophicalsystemsof ancient India.	
6	Credit Value	04	
7	Total Marks	Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks:33

Part B- Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):L-T-P:2H/W

Unit	Topics	No. of Lectures
I	Religion – Meaning, Definition, Scope and Significance Philosophy - Meaning, Definition, Scope and Significance	12
II	Vedic Period – Nature of Religion, Features of Religion, Polytheism and Main Deities, Monotheism.	12
III	Buddhism,Jainism, Charvak Philosophy	12
IV	ShaivismandShaktaDharma BhagwatandVaishnavism	12
V	Six Schools of Indianphilosophy – Sankhya, Yog, Nyay, Vaisheshik, PoorvaMeemansa, Uttar Meemansa. Shankaracharya and Ramanujacharya	12

(Dr. Jyotsna Agarwal)

Keywords/Tags : Religion, Philosophy, Buddhism,Jainism, Charvak, Shaivism, Vaishnavism

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1 मिश्र, जयशंकरः प्राचीन भारत का सामाजिक इतिहास, बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पटना, पाण्डेय जी सीः

2 बौद्ध धर्म का विकास, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्था, लखनऊ

3 लूनिया वी एनः प्राचीन भारत संस्कृति, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल प्रकाशन, आगरा

4 बाशम ए एलः द वंडर दैट वाज़ इंडिया, शिवलाल अग्रवाल एंड कंपनी, नई दिल्ली,

5 बार्थ एः द रिलीजन्स ऑफ इंडिया, वाराणसी

6 जायसवाल सुवीराः ओरिजिन एंड डेवलपमेंट ऑफ वैष्णवीज़्म, नई दिल्ली

7 भंडारकर, आर जीः वैष्णवीज़्म, शैविज़्म एंड माइनर रिलीजियस सिस्टम्स, वाराणसी

Suggestive Digital Platforms web links :

Suggested equivalent online courses:

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:

Maximum Marks : 100

Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 25marks University Exam (UE) 75 marks

Internal Assessment : Continuous Comprehensive Evaluation (CCE):25	Class Test Assignment/Presentation	15 10
External Assessment : University Exam Section: 75 Time : 02.00 Hours	**Section(A)** : Three Very Short Questions (50 Words Each) **Section (B) :** Four Short Questions (200 Words Each) **Section (C) :** Two Long Questions (500 Words Each)	03 x 03 = 09 04 x 09 = 36 02 x 15 = 30 Total 75

Any remarks/ suggestions:

(Dr. Jyotsna Agarwal)

Department of Distance Education

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र

भाग अ- परिचय				
कार्यक्रम: ऑनर्स / रिसर्च		कक्षा :बी. ए. चतुर्थ	वर्ष:2021	सत्र:2024-25
विषय:इतिहास				
1	पाठ्यक्रम का कोड	A4-HIST-21D		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	धर्म एवं दर्शन		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव(DSE THII)		
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने विषय का अध्ययन डिग्री में किया हो।		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	• इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के बाद विद्यार्थी : • प्राचीनभारतकेदर्शनपरध्यानकेंद्रितकर सकताहै। • सिंधुसभ्यताकेधर्मऔरवैदिकधर्मकाज्ञानप्राप्त करेगा। • बौद्धधर्मऔरजैनधर्मएवं उनके दर्शन काअध्ययनकर सकेंगे। • शैवधर्म, शाक्तधर्मऔरवैष्णवधर्मकाज्ञानप्राप्तकरेगा। • प्राचीनभारतकीविविधदार्शनिकप्रणालियोंसे परिचित होगा।		
6	क्रेडिट मान	04		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 25+75	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33	

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):3घंटे प्रति सप्ताह		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
प्रथम	धर्म - अर्थ, परिभाषा, क्षेत्र और महत्व दर्शन - अर्थ, परिभाषा, क्षेत्र और महत्व	12
द्वितीय	वैदिक कालीनधर्म और दर्शन बहुदेववाद और मुख्य देवता - इन्द्र, वरूण, अग्नि, भूमि, आकाश, एकेश्वरवाद	12
तृतीय	बौद्ध धर्म और उसका दर्शन जैन धर्म और उसका दर्शन चार्वाक दर्शन	12
चतुर्थ	शैव धर्म और शाक्त धर्म भागवत और वैष्णव धर्म	12
पंचम	भारतीय दर्शन की छः विचारधाराएं - सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, पूर्व मीमांसा, उत्तर मीमांसा शंकराचार्य एवं रामानुजाचार्य	12
सार बिंदु (कीवर्ड)/टैग:धर्म, दर्शन, बौद्ध धर्म, जैन धर्म, चार्वाक, शैव धर्म, वैष्णव धर्म		

(Dr. Jyotsna Agarwal)

भाग स-अनुशंसित अध्ययन संसाधन		
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन		
अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री: 1 मिश्र, जयशंकरः प्राचीन भारत का सामाजिक इतिहास, बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पटना, पाण्डेय जी सीः 2 बौद्ध धर्म का विकास, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्था, लखनऊ 3 लूनिया वी एनः प्राचीन भारत संस्कृति, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल प्रकाशन, आगरा 4 बाशम ए एलः द वंडर दैट वाज़ इंडिया, शिवलाल अग्रवाल एंड कंपनी, नई दिल्ली, 5 बार्थ एः द रिलीजन्स ऑफ इंडिया, वाराणसी 6 जायसवाल सुवीराः ओरिजिन एंड डेवलपमेंट ऑफ वैष्णवीज़्म, नई दिल्ली 7 भंडारकर, आर जीः वैष्णवीज़्म, शैविज़्म एंड माइनर रिलीजियस सिस्टम्स, वाराणसी **अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक :**		
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:		
भाग द -आकलन एवं मूल्यांकन		
अनुशंसितसतत मूल्यांकन विधियां: अधिकतम अंक: 100 सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 25विश्वविद्यालयीनपरीक्षा (UE) अंक: 75		
आंतरिक मूल्यांकन: **सतत व्यापक मूल्यांकन** (CCE):	कक्षा परीक्षण असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	15 10 **कुल अंक :25**
बाह्यआकलन : **विश्वविद्यालयीन परीक्षा:** समय- 02.00 घंटे	**अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द)** **अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200शब्द)** **अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)**	03 x 03 = 09 04 x 09 = 36 02 x 15 = 30 **कुल अंक 75**
कोई टिप्पणी/सुझाव:		

(Dr. Jyotsna Agarwal)

Department of Higher Education